

中国农书丛刊综合之部

群芳谱 诠释

(增补订正)

〔明〕王象晋 築辑

伊钦恒 诠释

农业出版社

中国农书丛刊综合之部
群芳谱诠释(增补订正)
(明)王象晋 编辑
伊钦恒 诠释

农业出版社出版(北京朝内大街 130号)
新华书店北京发行所发行 农业出版社印刷厂印刷

860×1168毫米 32开本 11印张 272千字
1985年11月第1版 1985年11月北京第1次印刷
印数 1—3,656册

统一书号 16144·2885 定价 2.70元

目 录

引言

| | |
|----------------------|---|
| [明]王象晋《二如亭群芳谱》叙..... | 1 |
| [明]毛凤苞《谷谱小序》..... | 2 |
| 农事岁谱..... | 3 |

一、谷 谱

| | |
|------------------------|----|
| 谷谱小序..... | 9 |
| 谷谱首简 沈胜之《论耕》..... | 10 |
| 1. 麦 | 12 |
| 2. 大麦 | 13 |
| 3. 稷 | 14 |
| 4. 粽 | 14 |
| 5. 谷 | 15 |
| 6. 稻谷 | 16 |
| 7. 脂麻 | 19 |
| 8. 蜀黍 | 21 |
| 9. 玉蜀黍 | 22 |
| 10. 蒸苡 | 23 |
| 11. 黑豆 | 24 |
| 12. 黄豆 | 24 |
| 13. 白豆 | 25 |
| 14. 绿豆 | 25 |
| 15. 赤小豆 | 26 |

| | |
|--------|----|
| 16. 豌豆 | 26 |
| 17. 蚕豆 | 27 |
| 18. 荞麦 | 28 |

二、蔬 谱

| | |
|---------|----|
| 蔬谱小序 | 30 |
| 蔬谱首简 | 30 |
| 1. 姜 | 32 |
| 2. 椒 | 34 |
| 3. 茴香 | 35 |
| 4. 葱 | 36 |
| 5. 韭 | 37 |
| 6. 蒜 | 38 |
| 7. 莼 | 39 |
| 8. 芥 | 39 |
| 9. 芹 | 41 |
| 10. 莴苣 | 42 |
| 11. 萝卜 | 42 |
| 12. 胡萝卜 | 44 |
| 13. 蔓菁 | 44 |
| 14. 菠菜 | 46 |
| 15. 白菜 | 48 |
| 16. 攀蓝 | 49 |
| 17. 甘蓝 | 50 |
| 18. 莴蒿 | 51 |
| 19. 山药 | 52 |
| 20. 甘薯 | 53 |
| 21. 生菜 | 55 |
| 22. 茼菜 | 55 |

| | |
|---------|----|
| 23. 蕉菜 | 56 |
| 24. 莴 | 57 |
| 25. 马齿苋 | 57 |
| 26. 芸薹菜 | 58 |
| 27. 黄瓜 | 58 |
| 28. 稍瓜 | 59 |
| 29. 菜瓜 | 59 |
| 30. 丝瓜 | 60 |
| 31. 冬瓜 | 60 |
| 32. 葫芦 | 60 |
| 33. 苦瓜 | 62 |
| 34. 茄子 | 63 |
| 35. 番茄 | 64 |
| 36. 豇豆 | 65 |
| 37. 刀豆 | 65 |
| 38. 薡 | 66 |
| 39. 莴 | 66 |
| 40. 苦菜 | 66 |
| 41. 薤 | 67 |
| 42. 薤 | 67 |
| 43. 灰薤 | 67 |
| 44. 蕎 | 68 |
| 45. 金针菜 | 68 |
| 46. 百合 | 69 |
| 47. 芋 | 70 |
| 48. 莲藕 | 72 |
| 49. 莼 | 75 |
| 50. 慈姑 | 76 |
| 51. 莼 | 77 |

三、果 谱

| | |
|---------|-----|
| 果谱小序 | 79 |
| 果谱首简 | 79 |
| 1. 梅 | 82 |
| 2. 林檎 | 84 |
| 3. 奈 | 84 |
| 4. 苹果 | 84 |
| 5. 梨 | 86 |
| 6. 凤梨 | 88 |
| 7. 櫻桃 | 89 |
| 8. 批杷 | 90 |
| 9. 木瓜 | 91 |
| 10. 番木瓜 | 91 |
| 11. 葡萄 | 92 |
| 12. 无花果 | 93 |
| 13. 文冠果 | 94 |
| 14. 桃 | 94 |
| 15. 猕猴桃 | 96 |
| 16. 杏 | 98 |
| 17. 李 | 99 |
| 18. 柿 | 100 |
| 19. 山楂 | 101 |
| 20. 杨梅 | 102 |
| 21. 橄榄 | 103 |
| 22. 枣 | 104 |
| 23. 荔枝 | 105 |
| 24. 番荔枝 | 103 |
| 25. 龙眼 | 108 |

| | |
|---------|-----|
| 26. 石榴 | 109 |
| 27. 番石榴 | 111 |
| 28. 桔 | 112 |
| 29. 柑 | 112 |
| 30. 橙 | 114 |
| 31. 栗 | 116 |
| 32. 榛 | 117 |
| 33. 檻 | 117 |
| 34. 银杏 | 119 |
| 35. 核桃 | 120 |
| 36. 蕉 | 122 |
| 37. 菠萝蜜 | 123 |
| 38. 芒果 | 123 |
| 39. 西瓜 | 125 |
| 40. 甜瓜 | 126 |
| 41. 甘蔗 | 127 |
| 42. 孜脐 | 128 |

四、茶 谱

| | |
|--------|-----|
| 茶谱小序 | 130 |
| 陆羽《茶经》 | 130 |
| 茶谱 | 131 |

五、竹 谱

| | |
|-----------------|-----|
| 竹谱小序 | 135 |
| 竹谱首简 戴凯之《竹记》 | 136 |
| 白居易《养竹记》 | 138 |
| 竹谱 | 139 |
| 1. 江南竹 | 141 |

| | |
|---------|-----|
| 2. 箭竹 | 141 |
| 3. 麻竹 | 142 |
| 4. 凤尾竹 | 142 |
| 5. 龙头竹 | 142 |
| 6. 人面竹 | 142 |
| 7. 淡竹 | 143 |
| 8. 山白竹 | 143 |
| 9. 乌竹 | 143 |
| 10. 海南竹 | 143 |
| 11. 疏节竹 | 144 |
| 12. 山竹 | 144 |
| 13. 方竹 | 144 |
| 14. 紫竹 | 144 |
| 15. 金竹 | 144 |
| 16. 四季竹 | 145 |
| 17. 簕竹 | 145 |
| 18. 刚竹 | 145 |
| 19. 苦竹 | 145 |
| 我国竹类的分布 | 147 |

六、桑麻葛谱

| | |
|--------|-----|
| 桑麻葛谱小序 | 147 |
| 1. 桑 | 147 |
| 2. 莓 | 150 |
| 3. 大麻 | 152 |
| 4. 糜麻 | 153 |
| 5. 葛 | 153 |

七、棉 谱

| | |
|-------------------|-----|
| 棉谱小序..... | 155 |
| 1. 论棉 | 155 |
| 2. 择种 | 156 |
| 3. 下种 | 156 |
| 4. 耘苗 | 156 |
| 5. 打心 | 157 |
| 6. 拾花 | 157 |
| 我国的产棉区..... | 159 |
| 我国棉花的品种和栽培技术..... | 160 |

八、药 谱

| | |
|----------------|-----|
| 药谱小序..... | 164 |
| 李时珍《论药》..... | 164 |
| 李时珍《本草源流》..... | 164 |
| 1. 桂 | 165 |
| 2. 甘草 | 166 |
| 3. 艾 | 167 |
| 4. 黄耆 | 168 |
| 5. 人参 | 169 |
| 6. 地黄 | 170 |
| 7. 术 | 171 |
| 8. 檀香 | 171 |
| 9. 当归 | 172 |
| 10. 川芎..... | 173 |
| 11. 五加..... | 174 |
| 12. 地榆..... | 174 |
| 13. 牛膝..... | 175 |

| | |
|---------|-----|
| 14. 茯苓 | 176 |
| 15. 麦门冬 | 177 |
| 16. 天门冬 | 177 |
| 17. 百部 | 178 |
| 18. 桔梗 | 179 |
| 19. 柏杞 | 180 |
| 20. 杜仲 | 180 |
| 21. 何首乌 | 181 |
| 22. 仙茅 | 182 |
| 23. 肉苁蓉 | 183 |
| 24. 列当 | 184 |
| 25. 淫羊藿 | 184 |
| 26. 香附子 | 185 |
| 27. 覆盆子 | 186 |
| 28. 使君子 | 186 |
| 29. 益母草 | 187 |
| 30. 防风 | 188 |
| 31. 郁李 | 188 |
| 32. 猪苓 | 189 |
| 33. 黄连 | 190 |
| 34. 黄檗 | 190 |
| 35. 黄芩 | 191 |
| 36. 金银藤 | 192 |
| 37. 紫草 | 193 |
| 38. 三七 | 194 |
| 39. 紫菀 | 194 |
| 40. 决明 | 195 |
| 41. 半夏 | 196 |
| 42. 牵牛 | 196 |

| | |
|---------|-----|
| 43. 景天 | 197 |
| 44. 谷精草 | 198 |
| 45. 蓼麻 | 198 |
| 46. 王瓜 | 199 |
| 47. 麻黄 | 200 |
| 48. 香薷 | 200 |
| 49. 紫苏 | 201 |
| 50. 薄荷 | 201 |
| 51. 泽兰 | 202 |
| 52. 大风子 | 203 |
| 53. 芡实 | 203 |

九、木 谱

| | |
|--------|-----|
| 木谱小序 | 205 |
| 木谱首简 | 205 |
| 1. 桤 | 205 |
| 2. 松 | 206 |
| 3. 柏 | 207 |
| 4. 楮 | 207 |
| 5. 檫 | 208 |
| 6. 樟 | 208 |
| 7. 桉 | 209 |
| 8. 梧桐 | 209 |
| 9. 杉 | 210 |
| 10. 冬青 | 210 |
| 11. 檀 | 211 |
| 12. 枫 | 211 |
| 13. 楸 | 212 |
| 14. 榆 | 212 |

| | |
|--------|-----|
| 15. 槐 | 214 |
| 16. 柳 | 215 |
| 17. 杨 | 216 |
| 18. 皂角 | 218 |
| 19. 女贞 | 219 |
| 20. 乌臼 | 220 |
| 21. 檉 | 220 |
| 22. 漆 | 221 |
| 23. 棕榈 | 222 |
| 24. 藤 | 223 |

十、花 谱

| | |
|---------|-----|
| 花谱小序 | 224 |
| 花谱首简 | 224 |
| 花信 | 228 |
| 1. 海棠 | 228 |
| 2. 紫薇 | 230 |
| 3. 玉蕊 | 231 |
| 4. 玉兰 | 231 |
| 5. 木兰 | 232 |
| 6. 辛夷 | 232 |
| 7. 紫荆 | 233 |
| 8. 山茶 | 233 |
| 9. 梵子 | 235 |
| 10. 合欢 | 235 |
| 11. 木芙蓉 | 236 |
| 12. 木槿 | 237 |
| 13. 扶桑 | 237 |
| 14. 蜡梅 | 238 |

| | |
|---------|-----|
| 15. 绣球 | 238 |
| 16. 夹竹桃 | 239 |
| 17. 牡丹 | 240 |
| 18. 瑞香 | 245 |
| 19. 迎春 | 246 |
| 20. 凌霄 | 246 |
| 21. 素馨 | 247 |
| 22. 茉莉 | 247 |
| 23. 木香 | 248 |
| 24. 玫瑰 | 248 |
| 25. 酢醕 | 249 |
| 26. 蔷薇 | 250 |
| 27. 月季 | 250 |
| 28. 金雀 | 251 |
| 29. 葵 | 251 |
| 30. 萱 | 253 |
| 31. 兰 | 254 |
| 32. 菊 | 262 |
| 33. 苓药 | 279 |
| 34. 大丽菊 | 282 |
| 35. 水仙 | 284 |
| 36. 玉簪 | 285 |
| 37. 凤仙 | 286 |
| 38. 麝粟 | 286 |
| 39. 剪春罗 | 287 |
| 40. 剪秋罗 | 287 |
| 41. 金盏花 | 288 |
| 42. 鸡冠 | 288 |
| 43. 山丹 | 289 |

| | |
|---------|-----|
| 44. 沃丹 | 290 |
| 45. 石竹 | 290 |
| 46. 滴滴金 | 290 |

十一、卉 谱

| | |
|---------|-----|
| 卉谱小序 | 292 |
| 卉谱首简 | 292 |
| 1. 菡 | 293 |
| 2. 芝 | 294 |
| 3. 菖蒲 | 295 |
| 4. 吉祥草 | 297 |
| 5. 商陆 | 298 |
| 6. 红花 | 298 |
| 7. 茵草 | 299 |
| 8. 蓝 | 300 |
| 9. 蕙藜 | 301 |
| 10. 阑天竹 | 302 |
| 11. 虎刺 | 302 |
| 12. 芸香 | 303 |
| 13. 胆瓶蕉 | 304 |
| 14. 襄荷 | 305 |
| 15. 书带草 | 305 |
| 16. 翠云草 | 306 |
| 17. 老少年 | 306 |
| 18. 芦 | 307 |
| 19. 莼 | 307 |
| 20. 尊 | 309 |
| 21. 荷菜 | 309 |
| 22. 萍 | 310 |

| | |
|---------|-----|
| 23. 蕺 | 310 |
| 24. 藻 | 311 |
| 25. 淡竹叶 | 312 |
| 26. 卷耳 | 312 |
| 27. 虎耳草 | 313 |
| 28. 车前 | 313 |
| 29. 茵陈蒿 | 314 |
| 30. 蒲公英 | 314 |
| 31. 灯心草 | 315 |
| 32. 酸浆草 | 315 |
| 33. 兔丝 | 316 |
| 34. 屋游 | 317 |
| 35. 苔 | 317 |
| 36. 含羞草 | 318 |
| 37. 垂盆草 | 318 |
| 38. 卷柏 | 318 |

附：十二、鹤鱼谱

| | | |
|-------|-----------|-----|
| 鹤鱼谱小序 | 320 | |
| 鹤鱼谱首简 | 淮南八公《相鹤经》 | 320 |
| 养鱼经 | 321 | |
| 1. 鹤 | 321 | |
| 2. 金鱼 | 323 | |

[明]王象晋《二如亭群芳谱》叙

尼父有言，吾不如老农，不如老圃。世之耳食者遂哗然曰，农与圃小人事也。大人者当调剂二气，冶铸万有，乌用是龌龊者为。果尔，则陈幽风者不必圣，爱菊爱莲者不必贤，税桑田树榛栗者不必称塞，渊侈咏歌哉。予性喜种植，斗室傍罗盆草数事，瓦钵内蓄文鱼数头，薄田百亩，足供纤粥。郭门外有园一区，题以涉趣，中为亭额以二如，杂艺蔬茹数十色，树松竹枣杏数十株，植杂草野花数十器，种不必奇异，第取其生意勃勃，可覩化机。美实陆离，可充口食。较晴雨时浇灌，可助天工。培根核屏蓄翳，可验人事。暇则抽架上农经花史，手录一、二则，以补咨询之所未备。每花明柳媚，日丽风和，携斗酒，摘畦蔬，偕一、二老友，话十余年前陈事。醉则偃仰于花茵莎塌浅红浓绿间，听松涛酬鸟语，一切升沉宠辱，直付之花开花落。因取平日所涉历咨询者，类而著之于编，而又冠以天时岁令，以便从事。历十余寒暑，始克就绪。题之曰《二如亭群芳谱》，与同志者共焉。相与怡情，相与育物，相与阜财用而厚民生。即不敢谓调二气，治万有，其于天地之大生广生，未必无小补云。因思尼父所言，盖恐石隐者流，果于忘世而非厌薄农圃，以为琐事不足为也，请以质诸世之所谓大人者。

好生居士王象晋菴臣甫題

[明]毛凤苞《谷谱小序》

谱群芳者何，凡两间之夭乔，无不卉也，无不芳也。故桐以乳掩，
卉以旗蔽，稻、麻、黍、麦落其获者，称以穗；榛、櫟、楠、梓取其林者，著
以本。之数者孰非含葩吐萼，秀造化之精英也邪，谱之者，叙其类
也。各有嘲之而且诘曰，品物有万，不出一色一香，小者南强，大者北
胜，业已九命而荣辱之矣。甚且宠木为仙，尊竹为帝，呼花为圣人。奚
啻氏锦心而郎绣腹也。段记室之《广植》，足裨见闻，陆师农之《埤
雅》，寔资荒漏，则兹编者，弗既贅疣乎？予日吁胡，尔见之迳庭也。
锦洞之天不设，谁悟蕉迷，红云之宴久虚，畴司花禁，是以杨雄之旧菜
增伽小蔬非误，崔融之瓦松作赋叶何殊。人第谓草木显绣蟠红而颤
青，岂知堇葍乎？性乃霜辛而露酸矣。新城宪伯王公，尝读汜氏之
书，深悲无稷，每稽尹君之录，差可征葵。嵇含仅状夫南方，张骞略采
乎卤域，此虽后圃云未能灌园，诚不足也。况彻六合之外，八荒之表
乎？是顾世有神瓜，人为桂父，冥郁阴如何之树翠矣，浪重思之米，墮
英午山香之曲，相赠殷婪尾之春，其为书也。显集幽通，横罄坚穷，鼓
吹农皇臣妾，国风碧杜红蘅，男紫女青，葳蕤拟貌穠衽，成形湖目，思
莲瓣面，兜桃引之齐赵，鼻选舌交，至斡繹之俗，辱殊之沙可噉而可
贯者，皆佛国庵苑之华，又存而不论者也。更若文章之树瓊璁，科名之
草茸茸，调五宜而进百益者，无非九锡，吾之王公。谨叙。

海虞门人毛凤苞顿首拜读